डकाय जंगल से पांच साइबर अपराधी गिरफ्तार

देवघर (आससे)। पुलिस अधीक्षक देवघर, प्रवीण पुष्कर (भापुसे) के आदेशानुसार साईबर अपराधियों के विरूद्ध की जा रही लगातार कार्रवाई के आलोक में पुलिस उपाधीक्षक कैलाश प्रसाद महतो के नेतृत्व में 5 (पांच) साईबर अपराधकर्मियों को साइबर अपराध करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर देवघर जिला के सारठ थाना अंतर्गत डकाय जंगल में कुछ संदिग्ध साइबर अपराधियों द्वारा फर्जी तरीके से Flipkart /Amazon के कस्टमर केयर प्रतिनिधि, Airtel Payment Bank पदाधिकारी एवं Google पर Phonepe Customer Care के नाम पर आमलोगों को ठगी का शिकार बनाए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। उक्त सूचना के आलोक में की गई छापामारी के दौरान 5 (पांच) साईबर अपराधकर्मियों को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों के पास से बरामद मोबाइल फोन/सिम के प्रारंभिक जांच में साइबर ठगी में संलिप्तता पाई गई है। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण उत्तम कुमार दास, उम्र करीब 24 वर्ष, पे. स्व. कामदेव महरा, सा. छातकुरूम, थाना सारठ (पथरडा ओपी), जिला देवघर ओपी), जिला देवघर, विकास कुमार महरा, उम्र करीब 19 वर्ष, पे. मुकेश महरा, सा. बोचबांध थाना सारठ पथरड्डा अशोक महरा, उम्र करीब 22 वर्ष पे. अखिलेश्वर महरा, सा. बोचबांध थाना सारठ (पथरड्डा ओपी) जिला देवघर, मणिक कुमार मंडल, उम्र करीब 21 वर्ष, पे. विनोद मंडल, सा. सलजोरा बंदरी, थाना सरैयाहाट, जिला दुमका अजीत दास, उम्र करीब 22 वर्ष, पे. सोभन महरा, सा. शंकरपुर, थाना देवीपुर जिला देवघर। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से बरामद सामानों की विवरणी मोबाइल फोन 09 सिमकार्ड 10 छापामारी दल पुनि बिशेश्वर कुमार, साइबर थाना, देवघर एवं अन्य सशस्त्र बल, देवघर। पुअनि मोतीराम देवगम, थाना प्रभारी, ओपी पथरडा।

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने जेटीइटी परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

निष्पक्ष एवं कदाचार मुक्त परीक्षा संपन्न कराने का दिया सख्त निर्देश

देवघर (आससे)। जिले में झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा प्रतियोगिता परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न कराने को लेकर आज उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री सौरभ कुमार भुवानिया एवं पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण पुष्कर ने संयुक्त रूप से विभिन्न परीक्षा केंद्रों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान आरएल सराफ स्कूल, रेड रोज, आर. मित्र, संत फ्रांसीस और देवघर कॉलेज सहित जिले के कई प्रमुख परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने परीक्षा कार्य में तैनात सभी केंद्र अधीक्षकों, दंडाधिकारियों, उड़न दस्ता दल (फ्लाइंग स्क्वाड) के दंडाधिकारियों और पुलिस बल के जवानों को संयुक्त जिला आदेश का अक्षरश: अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा की पवित्रता और पारदर्शिता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं



किया जाएगा। इसके साथ ही उपायुक्त ने परीक्षा केंद्रों पर उपस्थित व अनुपस्थित परीक्षार्थियों के आंकड़ों की जानकारी ली और वहां उपलब्ध पेयजल व अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी जायजा लिया। आगे सुरक्षा के दृष्टिकोण से अधिकारियों ने कंट्रोल रूम में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली को बारीकी से परखा। दो पालियों में आयोजित होने वाली इस परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए उपायुक्त ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने और कदाचार मुक्त माहौल बनाए रखने के लिए पूर्व में दिए गए दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी। परीक्षा केंद्रों के अलावा उपायुक्त ने जिला कोषागार कार्यालय में बनाए गए वज्र गृह (स्ट्रांग रूम) सेंटर का भी औचक निरीक्षण किया तथा वहां तैनात संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को सुरक्षा व प्रबंधन को लेकर आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिए। ज्ञातव्य है कि जिले में कल 45 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं इनमें 35 देवघर अनुमंडल और 10 मधुपुर अनुमंडल में हैं। इस दौरान उपरोक्त के अलावा उप विकास आयुक्त श्री पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी श्री रवि कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित थे।

सावधान : एसआइआर के नाम पर भेजे जा रहे फर्जी ई-मेल से रहें सतर्क, यह साइबर धोखाधड़ी का प्रयास है

देवघर(आससे)। इन दिनों कुछ लोगों को ई-मेल भेजकर दावा किया जा रहा है कि SIR प्रक्रिया के दौरान विसंगतियां पाए जाने के कारण उनका नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटा दिया गया है। ई-मेल में नाम पुन: शामिल कराने के लिए एक लिंक पर क्लिक कर व्यक्तिगत जानकारी एवं दस्तावेज जमा करने को कहा जा रहा है। इस तरह के ई-मेल भ्रामक हैं। आम नागरिकों एवं मतदाताओं से अपील है कि ऐसे किसी भी संदिग्ध ई-मेल में दिए गए लिंक पर क्लिक न करें। अपनी व्यक्तिगत जानकारी, OTP या दस्तावेज किसी अनजान लिंक पर साझा न करें। जिला निर्वाचन पदाधिकारी अथवा निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी द्वारा इस प्रकार के ई-मेल भेजकर प्रमाण-पत्र जमा करने के लिए नहीं कहा जा रहा है। SIR से संबंधित किसी भी प्रकार के सत्यापन अथवा दस्तावेज जमा करने के लिए अपने संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर(BLO) से संपर्क करें।

अनरिजर्व्ड स्पेशल ट्रेनें
हावड़ा और पटना के बीच

आगामी दिवाली और छठ उत्सव के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए, **हावड़ा और पटना** के बीच **अनरिजर्व्ड स्पेशल ट्रेनें** निम्नलिखित संक्षिप्त समयसूची, आवागमन की तिथियों, ठहराव और गठन के अनुसार चलेंगी:-

03033/03034 हावड़ा – पटना – हावड़ा अनरिजर्व्ड स्पेशल

हावड़ा – पटना			(03033) (03034)	पटना – हावड़ा		
तिथि	आ.	प्र.	स्टेशन	आ.	प्र.	तिथि
06.11.26	–	17.40	↓ हावड़ा	22.15	–	
एवं	19.32	19.34	बर्द्धमान	19.06	19.08	07.11.26
11.11.26	21.00	21.05	आसनसोल	17.00	17.05	एवं
	23.18	23.20	जसीडीह	14.02	14.04	12.11.26
07.11.26 एवं	01.18	01.20	किऊल	09.18	09.20	
12.11.26	05.00	–	पटना ↑	–	06.30	

उपर्युक्त स्पेशल ट्रेनें मार्ग में दोनों दिशाओं में बैण्डेल, दुर्गापुर, चित्तरंजन, मधुपुर, झाझा, जमुई, लक्खीसराय, मोकामा, बाढ़, बख्तियारपुर, खुसरोपुर, फतुहा, पटना साहेब और राजेंद्र नगर टर्मिनल स्टेशनों पर भी रुकेंगी। **चलने के दिन/तारीख: हावड़ा से –** 03033 दिनांक 06.11.2026 और 11.11.2026 (शुक्रवार और बुधवार) को = 02 ट्रिप और **पटना से –** 03034 दिनांक 07.11.2026 और 12.11.2026 (शनिवार और बृहस्पतिवार) को = 02 ट्रिप। **गठन:** शयनयान श्रेणी/साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस) – 16 और एसएलआरडी – 02 = 18 कोच **(अनरिजर्व्ड)। कैटेगरी:** मेल/एक्सप्रेस।

03035/03036 हावड़ा – पटना – हावड़ा अनरिजर्व्ड स्पेशल

हावड़ा – पटना			(03035) (03036)	पटना – हावड़ा		
तिथि	आ.	प्र.	स्टेशन	आ.	प्र.	तिथि
07.11.26	–	23.45	↓ हावड़ा	01.00	–	09.11.26
	01.50	01.52	बर्द्धमान	22.51	22.53	
	03.33	03.36	आसनसोल	20.45	20.50	08.11.26
08.11.26	05.22	05.24	जसीडीह	18.25	18.27	
	08.02	08.04	किऊल	16.13	16.15	
	10.45	–	पटना ↑	–	13.35	

उपर्युक्त स्पेशल ट्रेनें मार्ग में दोनों दिशाओं में बैण्डेल, दुर्गापुर, चित्तरंजन, मधुपुर, झाझा, जमुई, लक्खीसराय, मोकामा, बाढ़, बख्तियारपुर, खुसरोपुर, फतुहा, पटना साहेब और राजेंद्र नगर टर्मिनल स्टेशनों पर भी रुकेंगी। **चलने के दिन/तारीख: हावड़ा से –** 03035 दिनांक 07.11.2026 (शनिवार) को = 01 ट्रिप और **पटना से –** 03036 दिनांक 08.11.2026 (रविवार) को = 01 ट्रिप। **गठन:** शयनयान श्रेणी/साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस) – 16 और एसएलआरडी – 02 = 18 कोच **(अनरिजर्व्ड)। कैटेगरी:** मेल/एक्सप्रेस।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मुख्य न्यायाधीश के आगमन को लेकर कार्यक्रम स्थल का हुआ निरीक्षण

उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने व्यवहार न्यायालय में तैयारियों का लिया जायजा

देवघर (आससे)। भारत के मुख्य न्यायाधीश श्री सूर्यकांत के आगामी देवघर भ्रमण कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन और न्यायिक पदाधिकारियों द्वारा तैयारियां युद्धस्तर पर की जा रही हैं।

इसी कड़ी में आज दिनांक 01.11.2026 को व्यवहार न्यायालय परिसर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री कौशल किशोर झा, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री सौरभ कुमार भुवानिया एवं पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण पुष्कर द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम स्थल और की जा रही अंतिम चरण की तैयारियों का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मुख्य न्यायाधीश के देवघर आगमन के अवसर पर व्यवहार न्यायालय परिसर में आयोजित होने वाले स्टेट लेवल लीगल सर्विसेज-कम-इम्पॉवरमेंट कैंप की समीक्षा की। उन्होंने विधि व्यवस्था, सुरक्षा मानकों और कार्यक्रम स्थल पर चल रहे अंतिम



चरण के कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि गरिमापूर्ण और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। आगे सुरक्षा के दृष्टिकोण से पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण पुष्कर ने कार्यक्रम के दौरान की जाने वाली पुलिस बलों की तैनाती की रूपरेखा से सभी को अवगत कराया।

उन्होंने सुरक्षा के विभिन्न संवेदनशील बिंदुओं की जानकारी दी और शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने के लिए तैयार किए गए विशेष रूट चार्ट के बारे में बताया, ताकि आम जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और माननीय मुख्य न्यायाधीश का काफिला भी सुरक्षित व निर्बाध रूप से गुजर सके। बैठक में न्यायाधीशगण, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, डीआरडीए निर्देशक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, ट्रैफिक डीएसपीजिला स्तर के वरिष्ठ अधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

भाकपा माले नेता स्वदेश भट्टाचार्य के निधन पर दी गयी श्रद्धांजलि

देवघर(आससे)। भाकपा माले लिबरेशन के पोलित ब्यूरो के सदस्य और पुनर्गठित पार्टी के संस्थापक नेता कामरेड स्वदेश भट्टाचार्य के निधन पर शोक संवेदना प्रकट किया गया और 1 मिनट मौन रहकर श्रद्धांजलि दी गई। उनके अधूरे सपना को पूरा करने के लिए देवघर जिला कमेटी की ओर से जन वितरण प्रणाली सुधार करो अभियान की शुरुआत जिला सचिव कामरेड रघुपति पंडित के नेतृत्व में देवघर प्रखंड के पिछड़ीबाद पंचायत अंतर्गत बीचगढा गांव से किया गया। 21, 22 नंबर 2026 गिरीडीह के सरिया में झारखंड ग्रामीण मजदूर सभा का महा अधिवेशन को लेकर सदस्यता अभियान भी चलाया गया। यह अभियान 1 नवंबर से लेकर 15 नवंबर तक संयुक्त रूप से चलाया जाएगा। इस अभियान में बड़े पैमाने पर महिलाओं ने हिस्सा लिया। कामरेड रघुपति पंडित ने जन वितरण प्रणाली सुधार करो अभियान एवं झारखंड ग्रामीण मजदूर सभा का सदस्य अभियान को संबोधित करते हुए कहा कि जन वितरण प्रणाली में बड़े पैमाने पर त्रुटियां हैं। जिनकी सुधार करना जरूरी है। दुकानदार से लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग तक व्यापक त्रुटियां है। आज भी लोगों को समय पर राशन नहीं मिल रहा है। उन्होंने इंदिरा गांधी वृद्धा ,विधवा, दिव्यांग ,मुख्यमंत्री सर्वजन पेंशन योजना में 4 से 7 महीना तक का बकाया राशि को लेकर गंभीर सवाल खड़ा किया और कहा कि यह सीधे तौर पर पेंशन विभाग पेंशन धारी को नजर अंदाज कर रही है। जो आज बड़े बुजुर्गों को समय पर पेंशन नहीं मिल रहा है। समय पर राशन और समय पर पेंशन मिले यह देवघर उपायुक्त को सुनिश्चित करना होगा। इस अवसर पर भागीरथी देवी ,चिंता देवी, द्रोपती देवी ,अन्नी देवी ,प्रमिला देवी ,माला देवी, बबीता देवी, महावती देवी ,कविता कुमारी आदि उपस्थित थे।

इग्नू अध्ययन केंद्र 3609, एएस कॉलेज में अभिप्रेरणा बैठक सम्पन्न



देवघर(आससे)। एएस कॉलेज देवघर स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) अध्ययन केंद्र 3609 में विद्यार्थियों के लिए अभिप्रेरणा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अरविन्द मनोज कुमार सिंह ने शिक्षार्थियों को इग्नू की शैक्षणिक व्यवस्था, अध्ययन प्रणाली, परीक्षा, असाइनमेंट एवं विश्वविद्यालय की विभिन्न सुविधाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को इग्नू की अध्ययन पद्धति का लाभ उठाते हुए नियमित रूप से अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित किया। अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. पायल प्रियदर्शिनी ने विद्यार्थियों को इग्नू के उद्देश्य, कार्यप्रणाली एवं अध्ययन केंद्र की गतिविधियों से परिचित कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि इग्नू दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर सह-समन्वयक डॉ. राजेश कुमार बिसेन एवं प्रो. अवनी कुमार मांझी ने विद्यार्थियों को असाइनमेंट तैयार करने, जमा करने तथा काउंसलिंग कक्षाओं में नियमित रूप से भाग लेने के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी टेलीग्राम ग्रुप से जुड़कर इग्नू से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाएं, शैक्षणिक अपडेट एवं आवश्यक संदेश प्राप्त कर सकते हैं। बैठक के दौरान क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अरविन्द मनोज कुमार सिंह ने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए विभिन्न सवालों का विस्तारपूर्वक जवाब दिया तथा उनकी शंकाओं का समाधान किया। विद्यार्थियों की अधिक संख्या को देखते हुए अभिप्रेरणा बैठक का आयोजन बारी-बारी से चार अलग-अलग कक्षाओं में किया गया, ताकि सभी शिक्षार्थियों को उचित मार्गदर्शन एवं जानकारी मिल सके। कार्यक्रम में प्रो. ए.डी. मिश्रा, रजनीश, देवानन्द, राजकुमार ठाकुर एवं मुन्ना सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

गंगवारा पंचायत भवन में जागरूकता शिविर आयोजित

दुमका (देवघर)। वित्तीय समावेशन योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं पात्र लाभुकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से आच्छादित करने के उद्देश्य से आज अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय, दुमका के तत्वावधान में रामगढ़ प्रखंड के गंगवारा पंचायत भवन में वित्तीय साक्षरता सह जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन भारतीय स्टेट बैंक, शाखा गंगवारा तथा बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, इंडियन बैंक एवं झारखंड ग्रामीण बैंक की हंसडीहा शाखाओं के संयुक्त सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अंजनी कुमार ठाकुर, निदेशक, वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त श्री संतोष कुमार सिन्हा, उपमहाप्रबंधक, SLBC झारखंड; श्री कामेश्वर कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय दुमका; श्री रुपेश कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक, झारखंड ग्रामीण बैंक, देवघर; श्री सुबेंदु कुमार बेहेरा, डीडीएम, नाबार्ड तथा गंगवारा पंचायत के मुखिया श्री श्याम लाल बास्की भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री अंजनी कुमार ठाकुर ने ग्रामीणों को



प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY) एवं अटल पेंशन योजना (APY) के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बैंक खातों के नियमित केवाईसी, बचत की आदत विकसित करने तथा डिजिटल बैंकिंग के सुरक्षित उपयोग पर विशेष जोर दिया। साथ ही, डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव के उपायों के संबंध में भी ग्रामीणों को जागरूक किया। शिविर में उपस्थित सभी बैंकों द्वारा ग्रामीणों के बीच विभिन्न वित्तीय समावेशन योजनाओं से संबंधित सूचना-पत्र एवं पोस्टर वितरित किए गए तथा पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा के प्रति बैंकों की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए मुख्य अतिथि श्री अंजनी कुमार ठाकुर के कर-कमलों से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत गंगवारा ग्राम निवासी स्वर्गीय श्री बबलू सिकदर की पत्नी श्रीमती गुड़िया देवी को 2,00,000 (दो लाख रुपये) की बीमा दावा राशि का चेक प्रदान किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में भारतीय स्टेट बैंक, शाखा गंगवारा के शाखा प्रबंधक श्री दीपक कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में अग्रणी जिला प्रबंधक, दुमका श्री चंदन कुमार चौहान द्वारा सभी अतिथियों, बैंक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उपस्थित ग्रामीणों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई।

अनरिजर्व्ड स्पेशल ट्रेनें
सियालदह और जयनगर, सियालदह और बलिया तथा कोलकाता और गोरखपुर के बीच

आगामी छठ उत्सव के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए, **सियालदह और जयनगर, सियालदह और बलिया** तथा **कोलकाता और गोरखपुर** के बीच निम्नलिखित अनरिजर्व्ड स्पेशल ट्रेनें निम्नलिखित संक्षिप्त समयसूची, ठहराव, आवागमन के दिनों और गठन के अनुसार चलेंगी:-

03137/03138 सियालदह–जयनगर–सियालदह अनरिजर्व्ड स्पेशल

सियालदह–जयनगर			(03137) (03138)	जयनगर–सियालदह		
तिथि	आ.	प्र.	स्टेशन	आ.	प्र.	तिथि
	--	15.40	↓ सियालदह	01.30	--	14.11.26
12.11.26	18.15	18.17	बर्द्धमान	22.32	22.34	
	20.05	20.10	आसनसोल	20.55	21.00	
	22.25	22.27	जसीडीह	18.35	18.37	13.11.26
13.11.26	04.40	04.45	दरभंगा	12.00	12.05	
	07.00	--	जयनगर ↑	--	10.00	

उपर्युक्त अनरिजर्व्ड स्पेशल ट्रेनें दोनों दिशाओं में मार्ग में नैहाटी, बैण्डेल, दुर्गापुर, चित्तरंजन, मधुपुर, झाझा, जमुई, किऊल, बरौनी, समस्तीपुर और मधुबनी स्टेशनों पर भी रुकेंगी।

● **चलने की तिथियाँ/दिन: सियालदह से:** 03137 दिनांक 12.11.2026 **(बृहस्पतिवार)** को = 1 **ट्रिप** और **जयनगर से:** 03138 दिनांक 13.11.2026 **(शुक्रवार)** को=1 **ट्रिप।** ● **गठन:** शयनयान श्रेणी/साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस)– 18, एसएलआरडी– 02 = कुल 20 कोच (अनरिजर्व्ड);

● **कैटेगरी:** मेल/एक्सप्रेस।

03139/03140 सियालदह–बलिया–सियालदह अनरिजर्व्ड स्पेशल

सियालदह–बलिया			(03139) (03140)	बलिया–सियालदह		
तिथि	आ.	प्र.	स्टेशन	आ.	प्र.	तिथि
	--	10.05	↓ सियालदह	01.30	--	13.11.26
	12.32	12.34	बर्द्धमान	22.37	22.39	
	14.55	14.57	चित्तरंजन	19.53	19.55	
11.11.26	16.03	16.05	जसीडीह	18.45	18.47	12.11.26
	18.50	18.52	किऊल	15.00	15.02	
12.11.26	04.00	--	बलिया ↑	--	07.00	

उपर्युक्त अनरिजर्व्ड स्पेशल ट्रेनें दोनों दिशाओं में मार्ग में नैहाटी, बैण्डेल, पानागढ़, दुर्गापुर, अण्डाल, आसनसोल, मधुपुर, सिमुलतला, झाझा, गिधौर, जमुई, मननपुर, बड़हिया, बरौनी, विद्यापतिधाम, मोहिउद्दीनगर, शाहपुर पटोरी, मेहनार रोड, देसरी, अक्षयवट राय नगर, हाजीपुर, सोनपुर, नयागांव, सीतलपुर, दिघवारा, छपरा, सुरेमनपुर, रेवती और सहतवार स्टेशनों पर भी रुकेंगी।

● **चलने की तिथियाँ/दिन: सियालदह से:** 03139 दिनांक 11.11.2026 **(बुधवार)** को = 1 **ट्रिप** और **बलिया से:** 03140 दिनांक 12.11.2026 **(बृहस्पतिवार)** को = 1 **ट्रिप।** ● **गठन:** शयनयान श्रेणी/साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस)– 18, एसएलआरडी– 02 = कुल 20 कोच (अनरिजर्व्ड);

● **कैटेगरी:** मेल/एक्सप्रेस।

03141/03142 कोलकाता–गोरखपुर–कोलकाता अनरिजर्व्ड स्पेशल

कोलकाता–गोरखपुर			(03141) (03142)	गोरखपुर–कोलकाता		
तिथि	आ.	प्र.	स्टेशन	आ.	प्र.	तिथि
	--	15.40	↓ कोलकाता	10.30	--	
13.11.26	18.15	18.17	बर्द्धमान	06.51	06.53	
	20.45	20.47	चित्तरंजन	03.58	04.00	15.11.26
	22.25	22.27	जसीडीह	02.52	02.54	
14.11.26	03.45	03.50	मुजफ्फरपुर	21.40	21.45	14.11.26
	11.00	--	गोरखपुर ↑	--	13.30	

उपर्युक्त अनरिजर्व्ड स्पेशल ट्रेनें दोनों दिशाओं में मार्ग में नैहाटी, बैण्डेल, दुर्गापुर, आसनसोल, मधुपुर, झाझा, जमुई, किऊल, बरौनी, समस्तीपुर, मेहसी, चंकिया, बापूधाम मोतिहारी, सगौली, बेतिया, नरकटियागंज, बगहा, सिसवा बाज़ार और कप्तानगंज स्टेशनों पर भी रुकेंगी।

● **चलने की तिथियाँ/दिन: कोलकाता से:** 03141 दिनांक 13.11.2026 **(शुक्रवार)** को = 1 **ट्रिप** और **गोरखपुर से:** 03142 दिनांक 14.11.2026 **(शनिवार)** को = 1 **ट्रिप।** ● **गठन:** शयनयान श्रेणी/साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस)– 18, एसएलआरडी– 02 = कुल 20 कोच (अनरिजर्व्ड);

● **कैटेगरी:** मेल/एक्सप्रेस।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

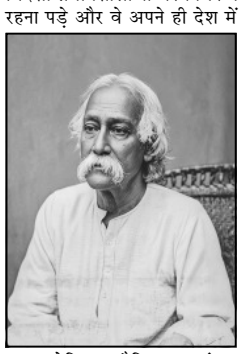
'डा. महेन्द्रलाल सरकार भारतीय विज्ञान के पुरोधा और होम्योपैथी के महान प्रणेता थे'

देवघर (आससे)। भारतीय विज्ञान, चिकित्सा और शिक्षा के इतिहास में कुछ ही ऐसे मनीषी हुए हैं जिन्होंने देश में वैज्ञानिक सोच की नींव मजबूत करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। डॉ. महेन्द्रलाल सरकार उन्हीं महान विभूतियों में से एक हैं।

आज उनकी जयंती के अवसर पर हमें उनके बहुमूल्य योगदान और दूरदर्शिता का स्मरण करना चाहिए, जिन्होंने भारत को आधुनिक विज्ञान के मानचित्र पर स्थापित करने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई। मौके पर स्थानीय विवेकानंद शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा डॉ. महेन्द्रलाल सरकार का जन्म 2 नवंबर 1833 को पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के पाइकपाड़ा गांव में हुआ था। उनके बचपन का जीवन संघर्षों से भरा हुआ था। कम उम्र में ही उनके पिता का साया उनके सिर से उठ गया था, जिसके बाद उनके मामा ने उनकी देखरेख और पठन-पाठन की जिम्मेदारी संभाली। प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने कलकत्ता के प्रतिष्ठित हिंदू कॉलेज और बाद में प्रेसीडेंसी कॉलेज में अध्ययन किया।

इसके बाद वे मेडिकल की पढ़ाई के लिए कलकत्ता मेडिकल कॉलेज गए, जहाँ उन्होंने अपनी मेधा के बल पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया और 1863 में डॉक्टर ऑफ मेडिसिन की मानद एवं प्रतिष्ठित उपाधि हासिल की। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय से एमडी की डिग्री प्राप्त करने वाले शुरुआती और चुनिंदा विद्वानों में से एक थे। उन्होंने अपनी चिकित्सा यात्रा की शुरुआत एलोपैथी से की थी और वे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में एक लोकप्रिय एवं कुशल एलोपैथिक चिकित्सक के रूप में स्थापित हो चुके थे। हालांकि, उनके जीवन में एक बड़ा मोड़ तब आया जब उन्होंने होम्योपैथी की प्रभावकारिता का गहन अध्ययन करना शुरू किया। उस समय रूढ़िवादी चिकित्सा जगत होम्योपैथी को एक छद्म विज्ञान या अंधविश्वास मानता था।

लेकिन एक सच्चे वैज्ञानिक के रूप में, डॉ. सरकार ने बिना किसी पूर्वग्रह के होम्योपैथी के सिद्धांतों और परिणामों को कठोर वैज्ञानिक जांच की। जब उन्होंने इसके सकारात्मक और अचूक परिणाम देखे, तो उन्होंने समाज के भारी विरोध के बावजूद होम्योपैथी को अपनाया। उन्होंने 1868 में कलकत्ता में कलकत्ता जर्नल ऑफ मेडिसिन नामक पत्रिका की शुरुआत की, जिसके माध्यम से उन्होंने चिकित्सा विज्ञान, विशेष रूप से होम्योपैथी के वैज्ञानिक और तार्किक पहलुओं को बढ़ावा दिया। उनका सबसे महान और अमर योगदान इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस की स्थापना है, जिसकी स्थापना उन्होंने 29 जुलाई 1876 को कलकत्ता में की थी। उनका दृढ़ विश्वास था कि भारत की समस्याओं का समाधान और देश की उन्नति केवल वैज्ञानिक अनुसंधान और शिक्षा के माध्यम से ही संभव है। वे चाहते थे कि भारत के वैज्ञानिकों को विदेशी प्रयोगशालाओं पर निर्भर न रहना पड़े और वे अपने ही देश में



उच्च कोटि का मौलिक अनुसंधान कर सकें। उनकी यह संस्था भारत की पहली ऐसी अनुसंधान संस्था बनी, जिसने बिना किसी सरकारी सहायता के, पूरी तरह से भारतीय जनता के सहयोग और चंदे से अपनी शुरुआत की थी। इस संस्थान ने आगे चलकर देश को सी.वी. रमन जैसे महान नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक दिए। डॉ. रमन ने इसी संस्थान में अपनी ऐतिहासिक रमन प्रभाव की खोज की थी, जिसके लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार मिला। वे केवल एक चिकित्सक या वैज्ञानिक ही नहीं थे, बल्कि एक प्रखर समाज सुधारक और शिक्षाविद भी थे। वे महिला शिक्षा, बाल विवाह के विरोध और समाज से अंधविश्वासों को दूर करने के प्रबल समर्थक थे।

उन्होंने बंगाल विधान परिषद के सदस्य के रूप में भी कार्य किया और कलकत्ता विश्वविद्यालय के सीनेट के फेलो के रूप में शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उनकी दूरदर्शिता इतनी गहरी थी कि उन्होंने ब्रिटिश शासनकाल में ही यह भांप लिया था कि जब तक भारत आत्मनिर्भर वैज्ञानिक अनुसंधान शुरू नहीं करेगा, तब तक देश का वास्तविक विकास संभव नहीं है। 23 फरवरी 1904 को इस महान वैज्ञानिक और मनीषी का निधन हो गया, लेकिन उनके द्वारा जलाई गई ज्ञान और विज्ञान की मशाल आज भी प्रज्वलित है।

उनकी जयंती के अवसर पर हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। आज जब भारत विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है, तब डॉ. महेन्द्रलाल सरकार का जीवन और उनका दृष्टिकोण हमारे लिए मार्गदर्शक का कार्य करता है।

राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को देश हमेशा कृतज्ञता के साथ याद रखेगा। और दूरदर्शिता का स्मरण करना चाहिए, जिन्होंने भारत को आधुनिक विज्ञान के मानचित्र पर स्थापित करने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई।

ऐतिहासिक भीड़ का इशारा समझ केंद्र सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त को करे बर्खास्त

देवघर(आससे)। झारखंड प्रदेश इंटक के प्रदेश सचिव